हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय

श्रीनगर (गढ़वाल)

कला, संचार एवं भाषा संकाय

(संस्कृत–विभाग)

चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)

बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर से अष्टम सेमेस्टर पर्यन्त

W.E.F. 2022-2023

27.5.2022
Head Sanskrit Deptt.
H.N.B. Garhwal University
Srinagar, Garhwal

27.05.2022

27/05/2022

27/05/2022

चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र	क्रेडिट	पेज नं0
1. नीतिकाव्य व्याकरण एवं अनुवाद	06 Core	01
2. नीतिकाव्य	04 Additional Course-1	02
3. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	04 Multidisciplinary	03-04
4. आयुर्वेद **सामान्य परिचय**	02 Skill Course	05
5. पर्यावरणीय सम्पर्क एवं संज्ञान	02 (वि0वि0 द्वारा निर्मित किया जायेगा)	

द्वितीय सेमेस्टर

1.नाटक अलंकार एवं छन्द	06 Core	06
2.नाटक	04 Additional Course-1	07
3.संस्कृत साहित्य में नैतिकता	04 Multidisciplinary	08
4.भारतीय वास्तुकला प्रणाली	02 Skill Course	09
5.जीवन कौशल एवं व्यक्तित्व का विकास	02 (वि0वि0 द्वारा निर्मित किया जायेगा)	

प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर

नीतिकाव्य व्याकरण एवं अनुवाद (Core 06 Credit)

(क) नीतिकाव्य

(i) नीतिशतकम् – भर्तृहरि

(ii)हितोपदेश (मित्रलाभ) – नारायणपंडित

(ख) व्याकरण

संज्ञा तथा संधि प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

(ग) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, आगरा–2, महालक्ष्मी प्रकाशन
2. भर्तृहरि,नीतिशतकम्, अनुवादक और संस्कर्ता जनार्दन शास्त्रीपाण्डेय, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 2014
3. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम, मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय, अमरभारती प्रकाशन वाराणसी
4. नारायणपण्डित, हितोपदेश, सम्पादक जीवानन्द विद्यासागर, कालिकाता
5. हितोपदेश (मित्रलाभ) – रश्मिकला संस्कृत हिन्दी व्याकरण सहित
6. वरदराज, लघुसिद्धान्तकौमुदी : भाग–1, व्याख्याकार भीमसेनशास्त्री, दिल्ली भैमी प्रकाशन
7. वरदराज, लघुसिद्धान्तकौमुदी, प्राज्ञतोषिणी व्याख्याकार और सम्पादक श्रीधरानन्द शास्त्री घिल्डियाल

नीतिकाव्य (Additional Course 04 Credit)

(i) नीतिशतकम् – भर्तृहरि

(ii)हितोपदेश (मित्रलाभ) –नारायणपंडित

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, आगरा–2, महालक्ष्मी प्रकाशन
2. भर्तृहरि,नीतिशतकम्, अनुवादक और संस्कर्ता जनार्दन शास्त्रीपाण्डेय, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 2014
3. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम, मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय, अमरभारती प्रकाशन वाराणसी
4. नारायणपण्डित, हितोपदेश, सम्पादक जीवानन्द विद्यासागर, कालिकाता
5. हितोपदेश (मित्रलाभ) – रश्मिकला संस्कृत हिन्दी व्याकरण सहित

संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना (Multidisplinary Course 04 Credit)

(क)

1. वैदिक–साहित्य में राष्ट्र की अवधारणा
2. राष्ट्र का संस्कृतपरक अर्थ
3. सप्ताङ्ग सिद्धान्त (कौटिल्य अर्थशात्र अध्याय 6)
4. महाभारत शान्तिपर्व 56.5
5. शुक्रनीति 1/61–62
6. पुराणों में भारतवर्ष की अवधारणा विष्णु पु0 2.3

(ख)

1. राष्ट्रीयता के कारक तत्त्व
1. राष्ट्रीय प्रतीक (राष्ट्रगान,राष्ट्रगीत,राष्ट्रध्वज, राष्ट्रीय चिन्ह)
2. भरत और भरतजन (ऋग्वेद 3.53.123,3.53.24,7.33.6)
3. भूमि सूक्त (अथर्व.12.1.1–12)
4. शुक्ल यजु0 मैं राष्ट्रीयता के तत्त्व (22.22),
5. राष्ट्रबोधन का महत्त्व ,शतपथ ब्राह्मण (9.4.1.1–5)

(ग)

1. वाल्मीकि रामायण में राष्ट्र की भौगोलिक एकता (किष्किन्धा काण्ड अध्याय 46–48)
2. रघुवंश में सांस्कृतिक एकता (सर्ग–4)
3. महाभारत में जनांकिकीय एकीकरण (शान्ति पर्व 65/13–22)

सामान्य अध्ययन

(घ)

1. भारतविजयम् नाटक, दीक्षित, प्रसाद मथुरा।
2. सत्याग्रहगीता (पण्डिता क्षमाराव)
3. गाँधीचरितम् चारूदेव शास्त्री
4. शिवराजविजय अम्बिकादत्त व्यास

5. डॉ0 सत्यव्रत शास्त्री, डॉ0 हरिनारायण दीक्षित, डॉ0 राधावल्लभ त्रिपाठी, डॉ0 अभिराजराजेन्द्र मिश्र, डॉ0 हरिदत्त शर्मा।

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. कौटिल्यअर्थशास्त्रम् हिन्दी अनुवादक उदयवीर शास्त्री, दिल्ली मेहरचन्द लक्षमनदास, 1968
2. महाभारत (1–6 भाग) हिन्दी अनुवादक रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय,गोरखपुर गीताप्रेस
3. शतपथब्राह्मण (1–5 भाग) माध्यन्दिन शाखीय भाष्यकार सायण और हरिस्वामी, दिल्ली
4. शुक्रनीति हिन्दी अनुवाद और सम्पादक ब्रह्माशंकर मिश्र, वाराणसी चौखम्बा संस्कृत सिरीज, 1968
5. श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (1–2 भाग) हिन्दी अनुवाद सहित, सम्पादक जानकी नाथ शर्मा, गोरखपुर
6. पुराण विमर्श आचार्य बलदेव उपाध्याय
7. यजुर्वेद, हिन्दी अनुवाद सहित, अनुवादक सातवलेकर श्रीपाद दामोदर पारड़ी,
8. विष्णुपुराणम्, हिन्दी अनुवाद सहित अनुवाद मुनिलाल गुप्त, गोरखपुर गीताप्रेस,
9. तिवारी, शशि, संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता एवं भारतीय साहित्य, दिल्ली विद्यानिधि प्रकाशन 2007
10. तिवारी, शशि, संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र दिल्ली विद्यानिधि प्रकाशन, 2013
11. राष्ट्रीय एकता और भारतीय साहित्य योगेन्द्र गोस्वामी, काशी अधिवेशन स्मृतिग्रन्थ, 2001
12. दीक्षित, हरिनारायण, संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भावना, दिल्ली ईस्टर्न बुक लिंकर्स, 2006
13. पुष्पेन्द्र कुमार,पुराणों में राष्ट्रीय एकता, दिल्ली, नाग पब्लिशर्स
14. संस्कृत वाङ्मय में राष्ट्रीय चेतना, डॉ0 विजय कुमार कर्ण, हिन्दुस्तान एकेडमी, प्रयागराज।

आयुर्वेद सामान्य परिचय (Skill Course 2 Credit)

इकाई 1

- आयुर्वेद का परिचय
- चरकपूर्व भारतीय शिक्षा का इतिहास
- आयुर्वेद के प्रमुख दो सम्प्रदाय धन्वन्तरि एवं पुनर्वसु

इकाई 2

- आयुर्वेद के मुख्य आचार्य – चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट, माधव, सारंगधर, भावमिश्र।

इकाई 3

- चरक संहिता सूत्रस्थान
- षड्ऋतुचर्या (हेमन्त, शिशिर, वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद्)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. चरक संहिता, सम्पादक ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, 2005
2. विद्यालंकार, आदिदेव आयुर्वेद का इतिहास
3. शर्मा, प्रियव्रत, चरक–चिन्तन

द्वितीय सेमेस्टर

नाटक, अलंकार एवं छन्द (Core 06 Credit)

(क) नाटक–अभिज्ञानशाकुन्तलम् सम्पूर्ण (निर्णय सागर प्रकाशन)

(ख) नाटकीय पारिभाषिक शब्दावली–नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, विदूषक, नेपथ्य, स्वगत, जनान्तिक, आकाशभाषित, भरतवाक्य।

(ग) अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अपह्नुति, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति, निदर्शना, तुल्ययोगिता।

(घ) छन्द–अनुष्टुप, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, बसन्ततिलका, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, मालिनी, भुजङ्प्रयात (वृत्तरत्नाकर से)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तल, व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, इलाहाबाद, साहित्य संस्थान, 37 कचेहरीमार्ग 1974
2. कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तल, सम्पादक नारायणराम आचार्य, मुम्बई, निर्णयसागर प्रेस, 1883.
3. उपाध्याय भगवतशरण, कालिदास कवि और काव्य काशी, ज्ञानपीठ।
4. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, कालिदास की लालित्य योजना, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
5. मम्मट, काव्यप्रकाश, हिन्दी अनुवाद सहित, व्याख्याकार और सम्पादक डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री, मेरठ, साहित्य भण्डार 1994
6. वृत्तरत्नाकर, पं0 केदारभट्ट, व्याख्या पं0 बलदेवउपाध्याय, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
7. दशरूपक, धनंजय विरचित, सावलोक चन्द्रकला हिन्दी व्याख्या सहित
8. Kalidasa The Abhijnanasakuntalam, Tran. & Ed.M.R.Kale. Delhi Motilal Banarasidass, 1977.
9. Bhatt, G.K. Sanskrit Drama, Dharwar University Press.

नाटक (Additional Course 04 Credit)

क) नाटक–अभिज्ञानशाकुन्तलम् सम्पूर्ण (निर्णय सागर प्रकाशन)

(ख) नाटकीय पारिभाषिक शब्दावली–नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, विदूषक, नेपथ्य, स्वगत, जनान्तिक, आकाशभाषित, भरतवाक्य

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थः–

1. कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तल, व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, इलाहाबाद, साहित्य संस्थान, 37 कचेहरीमार्ग 1974
2. कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तल, सम्पादक नारायणराम आचार्य, मुम्बई, निर्णयसागर प्रेस, 1883.
3. उपाध्याय भगवतशरण, कालिदास कवि और काव्य काशी, ज्ञानपीठ।
4. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, कालिदास की लालित्य योजना, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
5. दशरूपक, धनंजय विरचित, सावलोक चन्द्रकला हिन्दी व्याख्या सहित

संस्कृत साहित्य में नैतिकता (Multidisciplinary Course 04 Credit)

(क) महाभारत

1. अर्द्धसत्य कथन (अश्वत्थामा हत:)
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के पंचम अंक में दुष्यन्त द्वारा शकुन्तला को ग्रहण न करने के पीछे के तर्क
3. युद्ध की आलोचना (महाभारत स्त्री पर्व अध्याय 13–15)
4. युद्ध; आदर्श और यथार्थ मनु0 अ07/87–93 199–200 कृष्ण की छल नीति
5. महाभारत में – प्रतिशोध भाव (अश्वत्थामा और दुर्योधन प्रसंग)

(ख) रामायण

1. एक राजा और पति के रूप में कर्तव्यों का संघर्ष (राजा रामचन्द्र के सन्दर्भ में)
2. आज्ञाकारिता और निष्ठा : दशरथ पर लक्ष्मण का क्रोध एव शान्ति के लिए राम का तर्क

(ग)

1. आत्मसम्मान (नीतिशतकम् 21–30)
2. स्वधर्म और स्थितप्रज्ञ (गीता 2 अध्याय)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :

1. श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दी अनुवाद सहित, गोरखपुर गीता प्रेस
2. शास्त्री, सुरेन्द्र देव, अभिज्ञानशाकुन्तलम् मेरठ साहित्य भण्डार
3. महाभारत (1–6 भाग) हिन्दी अनुवादक रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय,गोरखपुर गीताप्रेस
4. श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (1–2भाग) हिन्दी अनुवाद सहित, सम्पादक जानकी नाथ शर्मा ,गोरखपुर
5. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, आगरा–2, महालक्ष्मी प्रकाशन
6. भर्तृहरि, नीतिशतक, अनुवादक और संस्कर्ता जनार्दन शास्त्रीपाण्डेय, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 2014
7. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्, मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय, अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी

भारतीय वास्तुकला (Skill Course 02 Credit)

इकाई 1

- टोडरमल का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व

इकाई 2

- टोडरमल विरचित वास्तुसौख्यम् प्रथम भाग 1–13
- भूमि परीक्षण, दिक्साधन, निवास (द्वितीय भाग 14–22 हेतु स्थान चयन)

इकाई 3

- वास्तुसौख्यम् भाग '3' शुभाशुभ वृक्षनिरूपण (31–49) शल्यशोधन (74–82)
- वास्तुसौख्यम् भाग '4' (83–102) (107–112) षड्वर्गपरिशोधन, वास्तुचक्र, गृहवास्तु, शिलान्यास
- वास्तुसौख्यम् भाग '6' गृहनिरूपण (171–194)

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भग्रन्थ :–

1. मलटोडर, वास्तुसौख्यम्, वाराणसी, सम्पूर्णानन्द विश्वविद्यालय 2010
2. चतुर्वेदी, वासुदेव, भारतीय वास्तुशास्त्र, नई दिल्ली श्री लाल ब॰ शा॰ रा॰स॰विद्यापीठ
3. शास्त्री, विनोद और शर्मा, सीताराम, वास्तुशिरोमणि दिल्ली मोतीलाल बनारसीदास
4. त्रिपाठी, देवी प्रसाद, वास्तुसार, दिल्ली इस्टर्न बुकलिर्क्स 2015
5. जीवानन्द, वास्तुरत्नावली